

भगवान विरसा मुंडा के समाधि स्थल पहुंचे राज्यपाल और सीएम, दी श्रद्धांजलि



खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। राजधानी के कोकर स्थित भगवान विरसा मुंडा की समाधि स्थल पर राज्यपाल रमेश बैस ने विरसा मुंडा को उनकी समाधि पर पुष्परोपण कराया और उनके प्रतिमा पर माल्यार्पण कर नमन किया। इसके बाद राज्यपाल ने मीडिया से

बात की। दो मिनट तक सीएम के आने का इंतजार भी किये लेकिन एयरपोर्ट पर रास्त्रपति द्वारा पूर्ण के स्वागत को लेकर राज्यपाल वहां से निकल गये। उनका कफिला एयरपोर्ट के लिए निकला ही था कि एयरपोर्ट से फिर विरसा मुंडा की जन्मस्थली उलिहातू पहुंचना था, इसके बाद हेमंत सोरेन भी धरती आबा के

समाधि स्थल पर फूल चढ़ाकर तथा उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर भगवान विरसा मुंडा को नमन किया। सीएम को भी रास्त्रपति के स्वागत के लिए एयरपोर्ट और एयरपोर्ट के लिए निकला ही था कि जन्मस्थली उलिहातू पहुंचना था, इसके बाद हेमंत सोरेन भी धरती आबा के

रवाना हो गये। भगवान विरसा मुंडा की समाधि स्थल पर माल्यार्पण के बाद राज्यपाल रमेश बैस ने कहा कि झारखंड राज्य का विकास हो रहा है। आज का दिन झारखंड के लिए बहुत बड़ा दिन है। भगवान विरसा मुंडा के समाधि स्थल पहुंचकर हमें भगवान विरसा मुंडा से राज्य के विकास की कामना की।



झारखंड स्थापना दिवस मुख्य समारोह में सीएम हेमंत सोरेन ने राज्यवासियों को दी सौगात

राज्यहित में कई योजनाएं लॉन्च की, 609 अभियंता सहित कई को सौंपा नियुक्ति पत्र

खबर मन्त्र व्यूह



उद्योग विभाग की तीन नीतियों को किया गया लॉन्च

झारखंड विद्युत वाहन नीति - 2022 का उद्घाय वर्ष 2030 तक राज्य में आईसीआई इंजन आधारित वाहनों को विद्युत वाहनों की जगह लाना है। 2027 तक बैटरी के निर्माण के लिए एक वृद्ध धरणेयोजना लाया जायेगा। इसी प्रकार, झारखंड इथर्नेल उत्पादन प्रोत्साहन नीति 2022 लॉन्च की गयी। राज्य में न्यूनतम जीवायस ईंधन और अधिकतम जैव इंधन की उत्पयोग को बढ़ावा देना है। वर्ष 2025 तक राज्य में इथर्नेल मिश्रित पेट्रोल का प्रयोग 40 प्रतिशत तक

करना है। इससे प्रदूषण रोकने के साथ-साथ महंगाई की भी नियन्त्रित किया जा सकेगा। वहाँ झारखंड औद्योगिक पार्क एवं लॉन्जिस्टिक नीति 2022 लॉन्च की गयी। सरकारी और निजी संस्थाओं के सम्बलित प्रयोगों से आधारित पार्क और लॉन्जिस्टिक पार्क बनाए जायेंगे। इससे उत्पाद और उत्पादकता के लिए अन्य राज्य पर निर्भर रहने की उत्पयोग को बढ़ावा देना है। वर्ष 2025 तक राज्य में इथर्नेल मिश्रित पेट्रोल का प्रयोग 40 प्रतिशत तक

मजबूत आधारभूत संरचना और जनहित की योजनाएं बयां करेगी विकास की तस्वीर

झारखंड स्थापना दिवस के मुख्य समारोह में 7309.58 करोड़ रुपए की 369 योजनाओं का शिलान्यास और उद्घाटन किया। इसमें 147 योजनाओं का शिलान्यास हुआ जिसकी कुल राशि 5433.24 करोड़ रुपये है और 222 योजनाओं का उद्घाटन हुआ जिसकी कुल राशि 1876.34 करोड़ रुपये है। इन योजनाओं के साथ राज्य के विकास की तस्वीर ज़लज़गी।

पथ निर्माण की योजना : पथ निर्माण विभाग में 1718.64 करोड़ की 369 योजनाएं इसमें सबसे प्रमुख हैं। इनमें विरसा चौक से धूर्वा गोलचक्रकर तक कुल लंबाई 2.60 किमी फोर लेन का मजबूतीकरण, चौड़ीकरण और पुनर्निर्माण करना शामिल है। इसमें साईकिल ट्रैक एवं फूटपाथ शामिल है। धूर्वा गोलचक्रकर से प्रोजेक्ट भवन बिलिंग तक कुल लंबाई 1.50

किमी के ब्लालिटी में सुधार करना है। रांची-पुलिला सड़क में नामकूम आरओड़ी से अनगड़ा प्रसुख है। इनमें विरसा चौक से धूर्वा गोलचक्रकर तक कुल लंबाई 17.7 किमी को फोर लेन चौड़ीकरण का काम है।

पेयजल एवं स्वच्छता की योजना : पेयजल एवं स्वच्छता विभाग में 931.31 करोड़ की लागत से कुल 17 योजनाएं हैं।

ग्रामीण कार्य की योजनाएं :

ग्रामीण कार्य विभाग में कुल 47 करोड़ रुपये की लागत से 14 योजनाएं हैं।

वहाँ झारखंड पुलिस हाइसिंग कॉरपोरेशन लिमिटेड द्वारा 41 करोड़ की लागत से 16 करोड़ की योजनाएं हैं।

शैक्षणिक योजनाएं : रांची विश्वविद्यालय में पुस्तकालय निर्माण 2.50 करोड़ की लागत से 1 योजना शामिल है।

ग्रामीण कार्य की योजनाएं की तस्वीर



बाराला ने (बालिका, 20 वर्ष में)

को दो स्वर्ण, दो रजत व एक कास्य पदक समेत कुल 5 पदक मिले हैं। आशा की उल्लिख पर्याप्त धूर्वा गोलचक्रकर एवं लॉन्जिस्टिक नीति के अन्यत्र मधुबानी पाठक, झारखंड एथलेटिक्स एसोसिएशन के सचिव सीडी सिंह, कोपाध्यक्ष आशीष प्लांट, चौड़ीकरण और पुनर्निर्माण करना शामिल है। इसमें साईकिल ट्रैक एवं फूटपाथ शामिल है। धूर्वा गोलचक्रकर से प्रोजेक्ट भवन बिलिंग तक कुल लंबाई 1.50

किमी के ब्लालिटी में सुधार करना है।

आशा ने दिलाया झारखंड को गोल्ड

रांची। भारतीय एथलेटिक्स चैम्पियनशिप में झारखंड को दो गोल्ड, 2 रजत और 1 कास्य पदक भी मिले

खबर मन्त्र व्यूह

रांची। भारतीय एथलेटिक्स चैम्पियनशिप में झारखंड को दो गोल्ड, 2 रजत और 1 कास्य पदक भी मिले

रांची। भारतीय एथलेटिक्स चैम्पियनशिप में झारखंड को दो गोल्ड, 2 रजत और 1 कास्य पदक भी मिले

रांची। भारतीय एथलेटिक्स चैम्पियनशिप में झारखंड को दो गोल्ड, 2 रजत और 1 कास्य पदक भी मिले

रांची। भारतीय एथलेटिक्स चैम्पियनशिप में झारखंड को दो गोल्ड, 2 रजत और 1 कास्य पदक भी मिले

रांची। भारतीय एथलेटिक्स चैम्पियनशिप में झारखंड को दो गोल्ड, 2 रजत और 1 कास्य पदक भी मिले

रांची। भारतीय एथलेटिक्स चैम्पियनशिप में झारखंड को दो गोल्ड, 2 रजत और 1 कास्य पदक भी मिले

रांची। भारतीय एथलेटिक्स चैम्पियनशिप में झारखंड को दो गोल्ड, 2 रजत और 1 कास्य पदक भी मिले

रांची। भारतीय एथलेटिक्स चैम्पियनशिप में झारखंड को दो गोल्ड, 2 रजत और 1 कास्य पदक भी मिले

रांची। भारतीय एथलेटिक्स चैम्पियनशिप में झारखंड को दो गोल्ड, 2 रजत और 1 कास्य पदक भी मिले

रांची। भारतीय एथलेटिक्स चैम्पियनशिप में झारखंड को दो गोल्ड, 2 रजत और 1 कास्य पदक भी मिले

रांची। भारतीय एथलेटिक्स चैम्पियनशिप में झारखंड को दो गोल्ड, 2 रजत और 1 कास्य पदक भी मिले

रांची। भारतीय एथलेटिक्स चैम्पियनशिप में झारखंड को दो गोल्ड, 2 रजत और 1 कास्य पदक भी मिले

रांची। भारतीय एथलेटिक्स चैम्पियनशिप में झारखंड को दो गोल्ड, 2 रजत और 1 कास्य पदक भी मिले

रांची। भारतीय एथलेटिक्स चैम्पियनशिप में झारखंड को दो गोल्ड, 2 रजत और 1 कास्य पदक भी मिले

रांची। भारतीय एथलेटिक्स चैम्पियनशिप में झारखंड को दो गोल्ड, 2 रजत और 1 कास्य पदक भी मिले

रांची। भारतीय एथलेटिक्स चैम्पियनशिप में झारखंड को दो गोल्ड, 2 रजत और 1 कास्य पदक भी मिले

रांची। भारतीय एथलेटिक्स चैम्पियनशिप में झारखंड को दो गोल्ड, 2 रजत और 1 कास्य पदक भी मिले

रांची। भारतीय एथलेटिक्स चैम्पियनशिप में झारखंड को दो गोल्ड, 2 रजत और 1 कास्य पदक भी मिले

रांची। भारतीय एथलेटिक्स चैम्पियनशिप में झारखंड को दो गोल्ड, 2 रजत और 1 कास्य पदक भी मिले

रांची। भारतीय एथलेटिक्स चैम्पियनशिप में झारखंड को दो गोल्ड, 2 रजत और 1 कास्य पदक भी मिले

रांची। भारतीय एथलेटिक्स चैम्पियनशिप में झारखंड को दो गोल्ड, 2 रजत और 1 कास्य पदक भी मिले

रांची। भारतीय एथलेटिक्स चैम्पियनशिप में झारखंड को दो गोल्ड, 2 रजत और 1 कास्य पदक भी मिले

रांची। भारतीय



मुख्यमंत्री दोजगाई सृजन योजना **CMEGP**

भू-राजस्व

मामलों का निपटाई
भू-लगान इसीद
के बल वितरण धोती, साड़ी,
लुंगी वितरण

विज्ञली तथा पेयजल
समस्याओं का निपटाई

किसान क्रेडिट कार्ड
(के.सी.सी.)

फूजों झाँगों
आरोपीद अभियान





धरती आबा को शौर्य

संस्था ने किया नमन

जमशेदपुर। मंगलवार को स्वाधिनता संस्था के युवा क्रांतिकारी जिह्वोंने आदिवासी एवं बनवारी समाज के जल, जाग, जमीन के अधिकार को लडाई लड़ते हुए मातृभूमि के लिए अपने प्राणों की आहुति दी, वैसे योद्धा धरती आबा भगवान विरसा मुंडा जी की जयती के अवसर पर शौर्य संस्था ने विरासनपर संड मार्केट रित्य प्रतिमा पर मात्यार्पण कर एवं पुष्प अर्पण कर नमन किया। संस्था के संस्थापक अमरजीत सिंह राजा ने बताया कि विरसा मुंडा जी ने युवा अवसर में अंग्रेजी हुक्मत को लक्षणीय रूप से अपनी मातृभूमि के लिए एवं अपने लोकों को आहुति दी, वैसे योद्धा धरती आबा भगवान विरसा मुंडा जी की जयती के अवसर पर शौर्य संस्था ने विरासनपर संड मार्केट रित्य प्रतिमा पर मात्यार्पण कर एवं पुष्प अर्पण कर नमन किया।

अरविंद बने टाटा स्टील के सुरक्षा विभाग के चौक



साक्षी गोलखट के पास भगवान विरसा मुंडा की विशाल प्रतिमा के उद्घाटन समारोह को संबोधित करते विद्यायक मंगल कालिदौ। बैठे हैं मंत्री चंपई सोरेन और टाटा स्टील के वीथी वाणवत्य धौधरी।

जमशेदपुर

साक्षी : भगवान विरसा मुंडा की 15 फीट ऊंची प्रतिमा का मंत्री चंपई सोरेन ने किया अनावरण

खबर मन्त्र व्यूहों

जमशेदपुर। आई हॉस्पिटल के सामने विकसित विरसा पार्क में स्थापित 15 फीट ऊंची प्रतिमा का अनावरण विरसा मुंडा की जयती पर आज आदिवासी कल्याण सह परिवहन मंत्री चंपई सोरेन ने किया। इस प्रांक पर सोरेन ने कहा कि आज आदिवासियों की जमीन, जंगल और पानी बचाने के लिए अंग्रेजों से संघर्ष किया। इसके कारण हम भगवान की तरह विरसा

मुंडा की पूजा करते हैं। प्रतिमा लगाने के मसले पर आई अडचन की ओर फिर बाद में उसे सुलझाने का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि बिना संघर्ष के कपी कुछ नहीं मिलता। उन्होंने कहा कि 20 साल तक झारखंड अपमानित हुआ है मानों को जाम से बचाने के लिए बहले क्यों पहल नहीं हुई। अदिलपुर के बंद कारखाने को बेंग नहीं खुलवाया गया। यह सब मानों के लिए सावल हैं, जो पूर्व के सरकारों से पूछा जाना चाहिए। उन्होंने इन मसलों को सुलझाने के लिए राज्य सोरेन ने हमेशा युवा विद्यायक स्टील को जयंती पर इकट्ठा हुए हैं। कुछ समय

मंत्री चंपई सोरेन ने जयंती पर किया अनावरण

के युवा सुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की तारीफ की।

विशिष्ट अतिथि मंगल कलिंदी ने कहा कि जुस्को के सीनियर जीएम कैटरन धनंजय मिश्र वास्तव में कैटरन है। जिह्वोंने मात्र 10-12 दिनों में यह पार्क तैयार कर दे दिया। उन्होंने कहा कि ज्ञानों माटी की पार्टी है, शहीदों की पार्टी है। अलंकृत राज्य के लिए अंग्रेजों द्वारा विद्योम गुरु शिवाय सोरेन एवं युवा विद्यायक स्टील हेमंत

सोरेन ने हमेशा शहीदों को समान दर्जे का काम किया है। वे तो पर्टी के साथार्थी सिपाही हैं, जिसके संघर्ष से आज 18 फीट ऊंची विरसा मुंडा की प्रतिमा तैयार हो गई है। उन्होंने आश्वासन दिया कि शहर में और भगवान विरसा मुंडा की प्रतिमा तैयार हो गई है। उन्होंने वह भी उम्मीद जताई कि उपरिस्थित लोग इस पार्क की व्यवस्था को बनाए रखने में मदद करेंगे। कार्यक्रम का संचालन चौधरी ने कहा कि उन्हें इस प्रतिमा के साथीनियर जीएम कैटरन धनंजय मिश्र ने किया। इस पार्क की अधिक खुशी है कि आज हम भगवान विरसा मुंडा की जयंती पर इकट्ठा हुए हैं। कुछ समय

एक

नजर में

विद्यायक सरयू राय ने विरासनगर में भगवान विरसा मुंडा की प्रतिमा पर किया माल्यार्पण

जमशेदपुर। भज्जी विरासनगर मंडल पूर्णी एसटी मोर्चा के मंडल अध्यक्ष सुरज हंड्रम के नेतृत्व में विद्यायक सरयू राय ने धरती आबा भगवान विरसा मुंडा की 147



एक भविला लायुक को घेक लौप्ते मंत्री बन्ना गुप्ता। बगल में लायुक की गोद में बच्चे को दुलारती तीसी विजया जाधव। साथ में डीएफओ कमीटी प्रियदर्शी।

को जोड़ने का काम हमारी सरकार कर रही है। बालिकाओं के लिए सावनी बाई फुले समृद्धि जैसी योजना है वहीं बेरोजगार युवाओं को स्वर्यांत्रिका सहायता योजना एवं अंतर्देशीय सहायता योजना के तहत 1 लाख 10 हजार रुपए की सहायता राशि, व सामाजिक सुरक्षा विभाग, झारखंड श्री बन्ना गुप्ता की अव्यक्ति में आयोजित किया गया।

मंत्री बन्ना गुप्ता ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि राज्य सरकार के लिए योजनाएं की परिसंचयन करते हुए कहा कि राज्य सरकार के लिए योजनाएं की परिसंचयन करते ही तो योजना का वितरण किया गया। मुख्यमंत्री श्रीमिक योजना के तहत जॉब कार्ड कार्यक्रम एवं अंतर्देशीय सहायता योजना एवं अंतर्देशीय सहायता योजना के तहत 1 लाख 10 हजार रुपए की सहायता राशि, व सामाजिक सुरक्षा विभाग की ओर से लाभुकों के बीच कंबल वितरण किया गया।

मंत्री बन्ना गुप्ता ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि राज्य सरकार के लिए योजनाएं की परिसंचयन करते ही तो योजना का वितरण किया गया।

ज्ञानों से खुलवाया गया। यह सबकार आयोजित किया गया। अंग्रेजी हुक्मत के लिए योजनाएं की परिसंचयन करते ही तो योजना का वितरण किया गया।

ज्ञानों से खुलवाया गया। यह सबकार आयोजित किया गया। अंग्रेजी हुक्मत के लिए योजनाएं की परिसंचयन करते ही तो योजना का वितरण किया गया।

ज्ञानों से खुलवाया गया। यह सबकार आयोजित किया गया। अंग्रेजी हुक्मत के लिए योजनाएं की परिसंचयन करते ही तो योजना का वितरण किया गया।

ज्ञानों से खुलवाया गया। यह सबकार आयोजित किया गया। अंग्रेजी हुक्मत के लिए योजनाएं की परिसंचयन करते ही तो योजना का वितरण किया गया।

ज्ञानों से खुलवाया गया। यह सबकार आयोजित किया गया। अंग्रेजी हुक्मत के लिए योजनाएं की परिसंचयन करते ही तो योजना का वितरण किया गया।

ज्ञानों से खुलवाया गया। यह सबकार आयोजित किया गया। अंग्रेजी हुक्मत के लिए योजनाएं की परिसंचयन करते ही तो योजना का वितरण किया गया।

ज्ञानों से खुलवाया गया। यह सबकार आयोजित किया गया। अंग्रेजी हुक्मत के लिए योजनाएं की परिसंचयन करते ही तो योजना का वितरण किया गया।

ज्ञानों से खुलवाया गया। यह सबकार आयोजित किया गया। अंग्रेजी हुक्मत के लिए योजनाएं की परिसंचयन करते ही तो योजना का वितरण किया गया।

ज्ञानों से खुलवाया गया। यह सबकार आयोजित किया गया। अंग्रेजी हुक्मत के लिए योजनाएं की परिसंचयन करते ही तो योजना का वितरण किया गया।

ज्ञानों से खुलवाया गया। यह सबकार आयोजित किया गया। अंग्रेजी हुक्मत के लिए योजनाएं की परिसंचयन करते ही तो योजना का वितरण किया गया।

ज्ञानों से खुलवाया गया। यह सबकार आयोजित किया गया। अंग्रेजी हुक्मत के लिए योजनाएं की परिसंचयन करते ही तो योजना का वितरण किया गया।

ज्ञानों से खुलवाया गया। यह सबकार आयोजित किया गया। अंग्रेजी हुक्मत के लिए योजनाएं की परिसंचयन करते ही तो योजना का वितरण किया गया।

ज्ञानों से खुलवाया गया। यह सबकार आयोजित किया गया। अंग्रेजी हुक्मत के लिए योजनाएं की परिसंचयन करते ही तो योजना का वितरण किया गया।

ज्ञानों से खुलवाया गया। यह सबकार आयोजित किया गया। अंग्रेजी हुक्मत के लिए योजनाएं की परिसंचयन करते ही तो योजना का वितरण किया गया।

ज्ञानों से खुलवाया गया। यह सबकार आयोजित किया गया। अंग्रेजी हुक्मत के लिए योजनाएं की परिसंचयन करते ही तो योजना का वितरण किया गया।

ज्ञानों से खुलवाया गया। यह सबकार आयोजित किया गया। अंग्रेजी हुक्मत के लिए योजनाएं की परिसंचयन करते ही तो योजना का वितरण किया गया।

ज्ञानों से खुलवाया गया। यह सबकार आयोजित किया गया। अंग्रेजी हुक्मत के लिए योजनाएं की परिसंचयन करते ही तो योजना का वितरण किया गया।

ज्ञानों से खुलवाया गया। यह सबकार आयोजित किया गया। अंग्रेजी हुक्मत के लिए योजनाएं की परिसंचयन करते ही तो योजना का वितरण किया गया।

ज्ञानों से खुलवाया गया। यह सबकार आयोजित किया गया। अंग्रेजी हुक्मत के लिए योजनाएं की परिसंचयन करते ही तो योजना का वितरण किया गया।

ज्ञानों से खुलवाया गया। यह सबकार आयोजित किया गया। अंग्रेजी हुक्मत के लिए योजनाएं की परिसंचयन करते ही तो योजना का वितरण किया गया।

ज्ञानों से खुलवाया गया। यह सबकार आयोजित किया गया। अंग्रेजी हुक्मत के लिए योजनाएं की परिसंचयन करते ही

दिल्ली की चर्चा

दे श के युवा प्रधानमंत्री गोपी गांधी का तमिलनाडु के श्रीपेरुंबुदूर

में 21 मई 1991 को हुई राजीव गांधी की हत्या कर दी गयी थी।

उस मालूम में सज धार्ये छह लोगों को जेल से रिहा कर दी गया था।

गयाबालव, वक्त कहने का साथ भरे जख्मों के बाद गांधी की परिवार अपने दुधों से उपर उठकर इसके बाहर कर सका कि उसने अपराधियों को माफ कर दिया है। और रिहाई का अधिकार वह भी था कि दोषी अपनी उम्र का बड़ा हिस्सा जेल में बिता भी चुके थे और कुछ असाध्य रोगों से भी पीड़ित थे। जैसे कि उम्रीद थी, मालूम में राजनीतिक प्रतिक्रियाएं आ रही हैं, जो स्वाभाविक है क्योंकि इस दुख को पूरे देश ने महसूस किया था और गांधी परिवार के लिये इसे आसानी से भूलना संभव भी नहीं है।

लब्बोलुआब यह कि शीर्ष अदालत का वाप फैसला हापी उदार न्याय व्यवस्था का उदाहरण है, जो दुनिया के कई देशों को याच के मानवीय पक्ष पर विचार करने को बाध्य करेगा। ऐसे में रिहा हुए लोगों का भी दायित्व बनता है कि इस उदार दिल्ली के बाद समाज में उनका राज्य बना दिया जे अपनी उम्र में आए राज्यों से न सिर्फ पीड़ित हैं बल्कि अकृत धन संपदा के बाद भी एक दरिद्र राज्य के स्पष्ट में जाना जाता है। नीतिगत मालूमों की बात करें तो सबसे बड़ी भूल जो राजनेताओं और नीति निर्धारकों से हुई वह यह कि सारी विकास योजनाओं के शहर के केंद्रित रखा गया जिस कारण थे क्षेत्रों से लेकर राजधानी राजी तक भी दूर गई और साथ ही समस्याएं भी। कहीं भूगोल जल नीचे चला गया तो कहीं टैपिक जाम की इतनी बड़ी-बड़ी समस्याएं उत्पन्न हो रही हैं कि सरकार के हाथ पूरे फूल रहे हैं।

वैकल्पिक व्यवस्था के रूप में रिंग रोड, बाइप्रूफ जैसे उपाय किए जा रहे हैं लेकिन मौलिक विचार नीति किसी ने नहीं किया था। जब स्थान सिंपिट हो और आवश्यकताएं बढ़त हों तो विकास की शहर केंद्रित न कर आसपास के क्षेत्रों तक बढ़ा देना चाहिए। इसका सटीक उदाहरण दिल्ली एनसीआर, नोएडा और गुरुग्राम है। बैंगलुरु, मुंबई जैसे महानगर भी अच्छी यातायात व्यवस्था के कारण डेढ़ 200 किलोमीटर तक से अपने कामकाजी लोगों को अनेज-जाने की सिवायाएं देते हैं और मुख्य शहर के ऊपर दबाव राही है, साथ ही ग्रामीण क्षेत्र भी विकसित हो रहे हैं जिससे उनकी भी अर्थव्यवस्था मजबूत हो रही है और छोटे उद्योग धंधों वा व्यवसाय से एक बड़ा उद्योग स्थापित हो रहा है।

झारखंड की बड़ी समस्या यातायात की है अपनी खाड़ी सुरक्षा जरूरतों को पापा करने के लिए गेहूं की मांग करते हैं, उनकी इस जरूरत को पूरा करने के लिए नीतिकारी जी अनुमति है। मंत्रालय ने कहा, अप्रैल-सितंबर-2022 में गेहूं का नियांत बढ़कर 148.7 करोड़ डॉलर का हो गया, जो अप्रैल-सितंबर-2021 में 63 करोड़ डॉलर का हुआ था। रूस-यूक्रेन युद्ध के कारण वैरिएक गेहूं की अपार्टिंग पॉर्टर रूप से बाधित हो गया है। दोनों ही गेहूं के प्रमुख उत्पादक देश हैं। मंत्रालय ने यह भी कहा कि चालू वित्र वर्ष की पहली छमाही की अपार्टिंग पॉर्टर रूप से बाधित हो गया है। दोनों ही गेहूं का नियांत बढ़कर 13.77 अरब डॉलर का नियांत पहले ही हासिल कर लिया गया है। मसूर का नियांत 13.5 करोड़ डॉलर से बढ़कर 33 करोड़ डॉलर हो गया। बासमती चाल का नियांत भी अप्रैल-सितंबर, 2022 में बढ़कर 13.77 अरब डॉलर का हो गया, जो एक साल पहले इसी अवधि में 11.05 अरब डॉलर का हुआ था। वर्ष 2022-23 के लिए, एपीडा द्वारा 23.56 अरब डॉलर का नियांत लक्ष्य निर्धारित किया गया है और छह महीने की अवधि में 13.77 अरब डॉलर का नियांत पहले ही हासिल कर लिया गया है। मसूर का नियांत 13.5 करोड़ डॉलर से बढ़कर 33 करोड़ डॉलर हो गया। बासमती चाल का नियांत भी अप्रैल-सितंबर, 2022 में बढ़कर 13.77 अरब डॉलर का हो गया, जो एक साल पहले इसी अवधि में 11.05 अरब डॉलर का हुआ था। वर्ष 2022-23 के लिए, एपीडा द्वारा 23.56 अरब डॉलर का नियांत लक्ष्य निर्धारित किया गया है और छह महीने की अवधि में 13.77 अरब डॉलर का नियांत पहले ही हासिल कर लिया गया है। मसूर का नियांत 13.5 करोड़ डॉलर से बढ़कर 33 करोड़ डॉलर हो गया। बासमती चाल का नियांत भी अप्रैल-सितंबर, 2022 में बढ़कर 13.77 अरब डॉलर का हो गया, जो एक साल पहले इसी अवधि में 11.05 अरब डॉलर का हुआ था। वर्ष 2022-23 के लिए, एपीडा द्वारा 23.56 अरब डॉलर का नियांत लक्ष्य निर्धारित किया गया है और छह महीने की अवधि में 13.77 अरब डॉलर का नियांत पहले ही हासिल कर लिया गया है। मसूर का नियांत 13.5 करोड़ डॉलर से बढ़कर 33 करोड़ डॉलर हो गया। बासमती चाल का नियांत भी अप्रैल-सितंबर, 2022 में बढ़कर 13.77 अरब डॉलर का हो गया, जो एक साल पहले इसी अवधि में 11.05 अरब डॉलर का हुआ था। वर्ष 2022-23 के लिए, एपीडा द्वारा 23.56 अरब डॉलर का नियांत लक्ष्य निर्धारित किया गया है और छह महीने की अवधि में 13.77 अरब डॉलर का नियांत पहले ही हासिल कर लिया गया है। मसूर का नियांत 13.5 करोड़ डॉलर से बढ़कर 33 करोड़ डॉलर हो गया। बासमती चाल का नियांत भी अप्रैल-सितंबर, 2022 में बढ़कर 13.77 अरब डॉलर का हो गया, जो एक साल पहले इसी अवधि में 11.05 अरब डॉलर का हुआ था। वर्ष 2022-23 के लिए, एपीडा द्वारा 23.56 अरब डॉलर का नियांत लक्ष्य निर्धारित किया गया है और छह महीने की अवधि में 13.77 अरब डॉलर का नियांत पहले ही हासिल कर लिया गया है। मसूर का नियांत 13.5 करोड़ डॉलर से बढ़कर 33 करोड़ डॉलर हो गया। बासमती चाल का नियांत भी अप्रैल-सितंबर, 2022 में बढ़कर 13.77 अरब डॉलर का हो गया, जो एक साल पहले इसी अवधि में 11.05 अरब डॉलर का हुआ था। वर्ष 2022-23 के लिए, एपीडा द्वारा 23.56 अरब डॉलर का नियांत लक्ष्य निर्धारित किया गया है और छह महीने की अवधि में 13.77 अरब डॉलर का नियांत पहले ही हासिल कर लिया गया है। मसूर का नियांत 13.5 करोड़ डॉलर से बढ़कर 33 करोड़ डॉलर हो गया। बासमती चाल का नियांत भी अप्रैल-सितंबर, 2022 में बढ़कर 13.77 अरब डॉलर का हो गया, जो एक साल पहले इसी अवधि में 11.05 अरब डॉलर का हुआ था। वर्ष 2022-23 के लिए, एपीडा द्वारा 23.56 अरब डॉलर का नियांत लक्ष्य निर्धारित किया गया है और छह महीने की अवधि में 13.77 अरब डॉलर का नियांत पहले ही हासिल कर लिया गया है। मसूर का नियांत 13.5 करोड़ डॉलर से बढ़कर 33 करोड़ डॉलर हो गया। बासमती चाल का नियांत भी अप्रैल-सितंबर, 2022 में बढ़कर 13.77 अरब डॉलर का हो गया, जो एक साल पहले इसी अवधि में 11.05 अरब डॉलर का हुआ था। वर्ष 2022-23 के लिए, एपीडा द्वारा 23.56 अरब डॉलर का नियांत लक्ष्य निर्धारित किया गया है और छह महीने की अवधि में 13.77 अरब डॉलर का नियांत पहले ही हासिल कर लिया गया है। मसूर का नियांत 13.5 करोड़ डॉलर से बढ़कर 33 करोड़ डॉलर हो गया। बासमती चाल का नियांत भी अप्रैल-सितंबर, 2022 में बढ़कर 13.77 अरब डॉलर का हो गया, जो एक साल पहले इसी अवधि में 11.05 अरब डॉलर का हुआ था। वर्ष 2022-23 के लिए, एपीडा द्वारा 23.56 अरब डॉलर का नियांत लक्ष्य निर्धारित किया गया है और छह महीने की अवधि में 13.77 अरब डॉलर का नियांत पहले ही हासिल कर लिया गया है। मसूर का नियांत 13.5 करोड़ डॉलर से बढ़कर 33 करोड़ डॉलर हो गया। बासमती चाल का नियांत भी अप्रैल-सितंबर, 2022 में बढ़कर 13.77 अरब डॉलर का हो गया, जो एक साल पहले इसी अवधि में 11.05 अरब डॉलर का हुआ था। वर्ष 2022-23 के लिए, एपीडा द्वारा 23.56 अरब डॉलर का नियांत लक्ष्य निर्धारित किया गया है और छह महीने की अवधि में 13.77 अरब डॉलर का नियांत पहले ही हासिल कर लिया गया है। मसूर का नियांत 13.5 करोड़ डॉलर से बढ़कर 33 करोड़ डॉलर हो गया। बासमती चाल का नियांत भी अप्रैल-सितंबर, 2022 में बढ़कर 13.77 अरब डॉलर का हो गया, जो एक साल पहले इसी अवधि में 11.05 अरब डॉलर का हुआ था। वर्ष 2022-23 के लिए, एपीडा द्वारा 23.56 अरब डॉलर का नियांत लक्ष्य निर्धारित किया गया है और छह महीने की अवधि में 13.77 अरब डॉलर का नियांत पहले ही हासिल कर लिया गया है। मसूर का नियांत 13.5 करोड़ डॉलर से बढ़कर 33 करोड़ डॉलर हो गया। बासमती चाल का नियांत भी अप्रैल-सितंबर, 2022 में बढ़कर 13.77 अरब डॉलर का हो गया, जो एक साल पहले इसी अवधि में 11.05 अरब डॉलर का हुआ था। वर्ष 2022-23 के लिए, एपीडा द्वारा 23.56 अरब डॉलर का नियांत लक्ष्य निर्धारित किया गया है और छह महीने की अवधि में 13.77 अरब डॉलर का नियांत पहले ही हासिल कर लिया गया है। मसूर का नियांत 13.5 करोड़ डॉलर से बढ़कर 33 करोड़ डॉलर हो गया। बासमती चाल का नियांत भी अप्रैल-सितंबर, 2022 में बढ़कर 13.77 अरब डॉलर का हो गया, जो एक साल पहले इसी अवधि में 11.05 अरब डॉलर का हुआ था। वर्ष 2022-23 के लिए, एपीडा द्वारा 23.56 अरब डॉलर का नियांत लक्ष्य निर्धारित किया गया है और छह महीने की अवधि में 13.77 अरब डॉलर का नियांत पहले ही हासिल कर लिया गया है। मसूर का नियांत 13.5 करोड़ डॉलर से बढ़कर 33 करोड़ डॉलर हो गया। बासमती चाल का नियांत भी अप्रैल-सितंबर, 2022 में बढ़कर 13.77 अरब डॉलर का हो गया, जो एक साल पहले इसी अवधि में 11.05 अरब डॉलर का हुआ था। वर्ष 2022-23 के लिए, एपीडा द्वारा 23.56 अरब डॉलर का नियांत लक्ष्य निर्धारित किया गया है और छह महीने की अवधि में 13.77 अरब डॉलर का नियांत पहले ही हासिल कर लिया गया है। मसूर का नियांत 13.5 करोड़ डॉलर से बढ़कर 33 करोड़ डॉलर हो गया।



गुमला : धरती आबा को भाजपा ने दी श्रद्धांगलि



गुमला। झारखंड के महानायक धरती आबा भगवान विरसा मुंडा की 147 वीं जयंती पर झारखंड राज्य का 22 स्थापना दिवस के अवसर पर भाजपा गुमला की ओर से विरसा मुंडा एग्री पार्टी वर्षा पार्टी कार्यालय में भगवान विरसा मुंडा को माल्यांपण करना किया गया। इस दौरान कुल 12 करोड़ की परिसंपत्तियों का विराजन किया गया।

पार्टी कार्यालय में जिला अध्यक्ष अनुपर्ण अधिकारी ने श्रद्धांगलि उपस्थित कर जिले वासियों को स्थापना दिवस की बधाई दी। झारखंड के जनक अंटला बिहारी वाजपेई के सपोनों का झारखंड समृद्ध होने की कामना की। इस अवसर पर प्रदेश मंत्री मुनेश्वर साह, विरष्ट नेता भूपन साह, पूर्व जिला अध्यक्ष विजय मिश्र, महिला मोर्चा जिला अध्यक्ष अनुपर्ण अधिकारी ने श्रद्धांगलि उपस्थित कर जिले वासियों को स्थापना दिवस की बधाई दी। झारखंड के महानायक धरती आबा भगवान विरसा मुंडा की 147 वीं जयंती पर झारखंड राज्य का 22 स्थापना दिवस के अवसर पर भाजपा गुमला की ओर से विरसा मुंडा एग्री पार्टी वर्षा पार्टी कार्यालय में भगवान विरसा मुंडा को माल्यांपण करना किया गया। इस दौरान कुल 12 करोड़ की परिसंपत्तियों का विराजन किया गया।

पार्टी कार्यालय में जिला अध्यक्ष अनुपर्ण अधिकारी ने श्रद्धांगलि उपस्थित करने के बावजूद भगवान विरसा मुंडा को माल्यांपण करना किया गया। पार्टी कार्यालय में जिला अध्यक्ष अनुपर्ण अधिकारी ने श्रद्धांगलि उपस्थित करने के बावजूद भगवान विरसा मुंडा को माल्यांपण करना किया गया।

कांगेस ने बिरसा मुंडा को किया नगन



गुमला। भगवान विरसा मुंडा की जयंती पर मंगलवार को विरसा मुंडा पार्टी विश्वित उनकी आत्मकद प्रतीता पर माल्यांपण कर कांगेस के जिला उपाध्यक्ष रस्ते कुमार के नेतृत्व में कांग्रेसियों ने श्रद्धांगलि दी रखी।

भगवान विरसा मुंडा ने साहस की स्तरी से पुरुषार्थी के पृष्ठ पर शौश्य की शब्दावली रखी। उन्होंने कहा कि भारतीय जमीदारों और जापीदारों तथा ब्रिटिश शासकों के शोषण की भूमि में आदिवासी समाज झूलस रहा था। विरसा मुंडा ने आदिवासियों को शोषण और याताने से मुक्ति दिलाने के लिए उन्हें संघर्षित करना अवश्यक समझा। मौके पर अकील रहमान, मुरली मनोहर प्रसाद, अशिक अंसारी, रामनिवास प्रसाद, रामेश्वरी उराव, गुलाम सरवर, सीता देवी, अमृता भगत, अरुण गुसा, सीबी आलम उपस्थित थे।

कोर्ट नोटिस

अशोक उराव तथा अन्य ...वादी वापम

श्रीमती मीरा देवी तथा अन्य...प्रतिवादी नोटिस बनाम

प्रतिवादी सत्य

1. प्राप्त उराव पिता रख. शनि उराव

2. विश्वामित्र उराव पिता रख. सुका उराव

3. सीतामाम उराव पिता रख. सुका उराव

4. बंडु उराव पिता रख. जबदी उराव

5. जीती उराव पिता रख. जबदी उराव

सभी अंसारी ग्राम जुरिया थाना एवं

जिला लोहरदगा झारखंड।

बजरिये इस दौरान के द्वारा आपको

सूचित किया जाता है। कि वादी ने

आपलोंगों के विरुद्ध उपरोक्त

ओटी.एस. इस न्यायालय में

दाखिल किया है, जिसकी सुनवाई की

तिथि दिनांक 03.12.22 समय

10.30 बजे पूर्वान्ध में तय की गयी

है। इसके पूर्व आपलोंगों को नजारत

के माध्यम से तथा स्पीड पोर्ट द्वारा

सूना दी जा चुकी है। अतः आप उक्त

तिथि को स्वयं या आपने अधिकारों के

माध्यम से उपरित्त होकर वाद की

सुनवाई पैरी करें, अन्यथा आपके

अनुपस्थिति में वाद की कार्यवाही

एकपक्षीय कर दी जायेगी।

कोर्ट नोटिस

कुर्बान अंसारी ...शिकायतकर्ता बनाम

बदला ऑटो मोबाइल्स तथा अन्य ...पिपकी

नोटिस बनाम प्रतिवादी

बजरिये इस नोटिस के द्वारा

आपलोंगों को सूचित किया जाता है

कि शिकायतकर्ता वाद आपलोंगों के

विरुद्ध उपरोक्त वाद इस न्यायालय

में दाखिल किया है जिसकी सुनवाई

की तिथि दिनांक 17.11.22 को

समय 10.30 बजे पूर्वान्ध में तय की

गयी है। इसके पूर्व आपलोंगों को

निवारित डाक द्वारा सूचना दी जा चुकी है। अतः आपलांग उक्त तिथि को रख्या

या अपने अधिकारों के माध्यम से

उपरित्त होकर वाद की कार्यवाही

एकपक्षीय कर दी जायेगी।

गुमला : धरती आबा को भाजपा ने दी श्रद्धांगलि

खबर मन्त्र संचालदाता

रांची, बुधवार
16.11.2022

गुमला/लोहरदगा

epaper.dailykhabarmantra.com

धरती आबा के बताये राएते पर चले : उपायुक्त

खबर मन्त्र संचालदाता



महिला को ट्रैक्टर की चारी देते गुमला के बीच 12 करोड़ की परिसंपत्ति का किया वितरण

गुमला। झारखंड के 22 वें स्थापना दिवस एवं भगवान विरसा मुंडा जयंती के अवसर पर मंगलवार को नगर भवन गुमला में जला स्तरीय परिसंपत्ति कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य रूप से उपायुक्त सुशांत गौरव, जिप अध्यक्ष कियन बाड़ा, नगर परिषद अध्यक्ष दीपनारायण उरांव सहित कई प्रशासनिक पदाधिकारी उपस्थित थे।

गुमला के बीच 12 करोड़ की परिसंपत्ति का वितरण किया गया।

जिला समाज कल्याण विभाग अंतर्गत सावित्री बाई फुले किशोरी समृद्धि द्वारा गुमला के 20 लाभुक किशोरियों को वितरण किया गया।

जेएसएलपीएस के द्वारा स्वयं सहायता समूह चारी निधि के 144 समूहों के बीच साकेतिक रूप से 26,40,000 रुपए का चेक दिया गया जिसमें प्रयोक्त समूह को 15000 रुपए की राशि दिए जाएं।

वीरी सामुदायिक निवेश निधि से 971 लाभुकों को जोड़ कर उनके

संजय कुमार, समाज कल्याण

पदाधिकारी सीधा पुष्पा, डीएसओ

गुलाम नामदानी के अलावा कई

वीकंजेज, महिला मंडली के

वितरण किया गया। साथ ही चारी निधि के लिए जिला समाज कल्याण विभाग अंतर्गत सावित्री बाई फुले किशोरी समृद्धि द्वारा गुमला के 20 लाभुक किशोरियों को वितरण किया गया।

जिला समाज कल्याण विभाग अंतर्गत सावित्री बाई फुले किशोरी समृद्धि द्वारा गुमला के 20 लाभुक किशोरियों को वितरण किया गया।

जिला समाज कल्याण विभाग अंतर्गत सावित्री बाई फुले किशोरी समृद्धि द्वारा गुमला के 20 लाभुक किशोरियों को वितरण किया गया।

जिला समाज कल्याण विभाग अंतर्गत सावित्री बाई फुले किशोरी समृद्धि द्वारा गुमला के 20 लाभुक किशोरियों को वितरण किया गया।

जिला समाज कल्याण विभाग अंतर्गत सावित्री बाई फुले किशोरी समृद्धि द्वारा गुमला के 20 लाभुक किशोरियों को वितरण किया गया।

जिला समाज कल्याण विभाग अंतर्गत सावित्री बाई फुले किशोरी समृद्धि द्वारा गुमला के 20 लाभुक किशोरियों को वितरण किया गया।

जिला समाज कल्याण विभाग अंतर्गत सावित्री बाई फुले किशोरी समृद्धि द्वारा गुमला के 20 लाभुक किशोरियों को वितरण किया गया।

जिला समाज कल्याण विभाग अंतर्गत सावित्री बाई फुले किशोरी समृद्धि द्वारा गुमला के 20 लाभुक किशोरियों को वितरण किया गया।

जिला समाज कल्य

